THRU the BIBLE



आपके विचार के लिए

जीवन जीने के लिए ईश्वर की बुद्धि का उपयोग क्यों करें? Page 04

इस धर्मग्रंथ अध्ययन का उपयोग कैसे करें Page 05

आपके अध्ययन के लिए
धर्मग्रंथों के माध्यम से ईश्वर और उनके वचनों से जुड़ना Page 07

आप ईश्वर की बुद्धि का उपयोग अपने जीवन में कैसे कर सकते हैं? Page 13

चिंतन करें और लागू करें
परमेश्वर के वचन का अनुप्रयोग Page 14

आपने क्या सीखा?
टिप्पणियाँ Page 18

क्यों
जीवन जीने के लिए **परमेश्वर की बुद्धि का** उपयोग करें?

क्योंकि

परमेश्वर ने हमें अपने पुत्र, हमारे प्रभु यीशु मसीह
की टीम में शामिल होने के लिए चुना है।

यीशु मसीह

हमारे प्रभु

उनका राज्य एक
प्रकाश का राज्य है

यह एक उच्च बुलावा है;
एक पवित्र बुलावा;
एक स्वर्गीय बुलावा

हम
स्वर्ग के नागरिक हैं

↓

पृथ्वी पर **मसीह के प्रतिनिधि** के रूप में भेजे गए

↓

परमेश्वर के वचन से सुसज्जित और सशक्त
जो हमें बताता है कि पृथ्वी पर स्वर्ग के नियमों (परमेश्वर के मानकों) के अनुसार कैसे जीना है।

परमेश्वर की इच्छा को
पृथ्वी पर लागू करना

- शिष्य बनाना
- समुदायों पर प्रभाव

परमेश्वर का नमक और
प्रकाश होना

↓

विजय पाना

अंधकार का साम्राज्य
स्वार्थी दुनिया और शैतान पर

कैसे करें
उपयोग
इस धर्मशास्त्रीय संवाद का



प्रार्थना से शुरुआत करें
प्रत्येक पाठ शुरू करने से पहले, प्रभु से प्रार्थना करें कि वह इसका उपयोग आपको हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह और ज्ञान में विकसित करने के लिए करें।



पहले बाइबल का अंश पढ़ें।
परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह आपकी आँखें खोलें और उनके वचन की आपकी समझ को गहरा करें।



यदि आप इस अंश पर डॉ. मैक्गी की पूरी शिक्षा सुनना चाहते हैं, तो TTB.org पर जाएँ, ऐप डाउनलोड करें, इसे YouTube पर देखें, या यह सामग्री पढ़ें।



प्रत्येक शिक्षा के बाद, आप अपने विचार के लिए या, यदि आप इसे एक समूह के रूप में पढ़ रहे हैं, तो चर्चा के लिए यहाँ सूचीबद्ध धर्मशास्त्रीय संवाद प्रश्नों को देख सकते हैं।



आत्मा से प्रार्थना करें कि वह आपको जो दिखाना चाहता है, उसे हृदयंगम करने में आपकी मदद करे।

मसीह का वचन तुम्हारे हृदय में सम्पूर्ण बुद्धि और शिक्षा सहित भरपूरी से बसे...
~ कुलुस्सियों 3:16

व्यक्तिगत तैयारी

व्यक्तिगत तैयारी का अर्थ है कि आप इस सामग्री को सप्ताह के दौरान स्वयं पढ़ें।

यदि आप किसी समूह का हिस्सा हैं, तो एक साथ मिलकर और साझा करके आपका योगदान सामूहिक आध्यात्मिक विकास को प्रोत्साहित करेगा।

मिलें बढ़ें बाँटें

मिलें, बाँटें और एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें



मिलें
सप्ताह में एक बार

आओ **तैयार होकर**

टीटीबी की शिक्षाएँ पढ़ें, सुनें या देखें

कोई उपदेश नहीं। कोई शिक्षा नहीं। बल्कि **एक-दूसरे से साझा करना और सीखना।**

एक साथ मिलना

चर्चा करते हुए कि आपने **परमेश्वर की बुद्धि** से क्या प्राप्त किया

सीखना

धर्मग्रंथों के प्रश्नों पर चर्चा

अंत में प्रार्थना

अपने अगले मिलन के लिए **पहले से तैयारी करें**

आपके अध्ययन के लिए

पवित्र शास्त्र : उत्पत्ति 3:14-24
पढ़ने का समय : : 15-30min

प्रार्थना



आगे बढ़ने से पहले, हम एक मिनट लें और परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह हमारे हृदय, मन, कान और आँखों को मार्गदर्शन करे, ताकि हम उसकी दिव्य योजना को समझ सकें।

बाइबल का पद



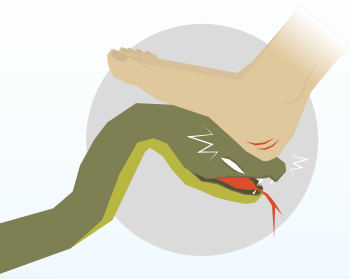
और मैं तेरे (अर्थात शैतान) और स्त्री के बीच में, और तेरे वंश और उसके वंश के बीच में बैर उत्पन्न करूंगा; (यह मसीह था) वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।

- उत्पत्ति 3:15

शैतान पर अपने न्याय में परमेश्वर ने मसीहा, **मसीहा के आगमन** का वादा कैसे किया, और अपने न्याय से हमारे उद्धार की आशा कैसे प्रदान की?

ईश्वर का न्याय शैतान पर

उत्पत्ति 3:15
"और मैं तेरे (अर्थात् शैतान) और स्त्री के बीच, और तेरे वंश और उसके वंश के बीच बैर उत्पन्न करूँगा; (वह मसीह था) वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।"



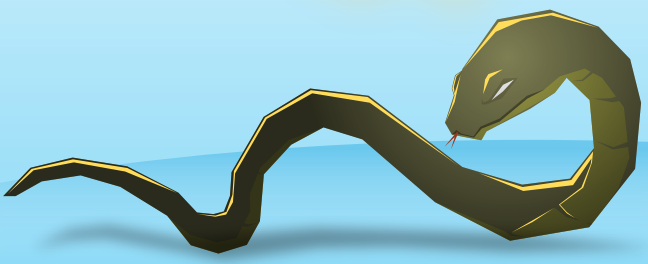
परमेश्वर ने मनुष्य को बड़ी आशा देने के लिए शैतान पर यह न्यायदंड सुनाया।

पहली भविष्यवाणी - क्रिस्त, मसीहा की

पहला सुसमाचार (शुभ समाचार) -
संसार के उद्धारकर्ता मसीह

अंतिम विजय तो मिलेगी, लेकिन अच्छाई और बुराई के बीच एक लंबा संघर्ष अपेक्षित है।





शैतान ने मान लिया कि उसने मानवजाति पर विजय प्राप्त कर ली है ताकि वह परमेश्वर से शत्रुता जारी रख सके।

हालाँकि, **परमेश्वर के न्याय ने घोषित किया, "और मैं तेरे वंश (शैतान) और उसके वंश (मसीह) के बीच शत्रुता उत्पन्न करूँगा।"**



यहाँ **दो बीजों के बीच**
एक टकराव, एक लंबा संघर्ष
है।



प्रभु यीशु ने
परमेश्वर की संतानों
और शैतान की संतानों के बीच अंतर बताया।

तुम अपने पिता शैतान के हो, और अपने पिता की इच्छाओं को पूरा करना चाहते हो।
वह शुरू से ही हत्यारा है और सत्य पर कायम नहीं रहता, क्योंकि उसमें सत्य है ही नहीं। जब वह झूठ बोलता है, तो अपने ही साधनों से बोलता है, क्योंकि वह झूठा है
और झूठ का पिता है।

यूहन्ना 8:44

इसमें परमेश्वर की सन्तान और शैतान की सन्तान स्पष्ट हैं: जो कोई धार्मिकता का पालन नहीं करता, वह परमेश्वर का नहीं है, और न वह जो अपने भाई से प्रेम नहीं रखता।

1 यूहन्ना 3:10

मसीह में अंतिम विजय होगी। (प्रकाशितवाक्य 20 और 21) तब तक, मसीह में प्रत्येक व्यक्ति को प्रलोभन का सामना करना होगा और पवित्र आत्मा और परमेश्वर के वचन की सहायता से युद्ध जीतना होगा।

डॉ. जे. वर्नन मैक्गी कहते हैं,

“ मसीह के आने से पहले, विजय विश्वास की आज्ञाकारिता के माध्यम से होती थी। मसीह के आने के बाद, हमें विश्वास के माध्यम से स्वयं को मसीह के साथ जोड़ना है। बचाए जाने का क्या अर्थ है? इसका अर्थ है मसीह में। ”

उत्पत्ति 3:15
“उसका वंश” – मसीह के कुंवारी जन्म का संकेत देता है।

ध्यान दें: परमेश्वर ‘मनुष्य का बीज’ नहीं, बल्कि **“उसका वंश”** कहता है।

यशायाह 7:14 में परमेश्वर फिर से नींव रखता है

“इसलिए **प्रभु स्वयं** तुम्हें एक संकेत देंगे:
देखो, एक कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी, और उसका नाम इम्मानुएल रखेगी।”

700 साल बाद, यह वादा/भविष्यवाणी पूरी हुई।
(पढ़ें: मत्ती 1:18-23)



मोक्ष ईश्वर द्वारा मनुष्य की खोज है, न कि मनुष्य द्वारा ईश्वर की खोज!

आदम और हव्वा पाप करने के बाद परमेश्वर से दूर भाग गए, **और बाकी मानवता ने भी ऐसा ही किया।**

परन्तु परमेश्वर ही तो था जो उसे बुलाने आया,

> "तुम कहाँ हो ?"

आप देखेंगे कि परमेश्वर अपने वचन के माध्यम से मनुष्य तक पहुँचता है।

रोमियों 3:11, यूहन्ना 15:16; 1 यूहन्ना 4:19

परमेश्वर पुरुषों और महिलाओं तक पहुँचता है और **मसीह के माध्यम** से **उद्धार** प्रदान करता है।

परमेश्वर का न्याय **स्त्री** पर
उत्पत्ति 3:16

वह **दुःख और पीड़ा** के बिना बच्चे को दुनिया में नहीं ला सकती।

दिलचस्प बात यह है कि जो चीज़ **खुशी लाती है और मानव परिवार को आगे बढ़ाती है**
उसे **दुःख और पीड़ा से होकर** ही आना पड़ता है।



परमेश्वर का न्याय आदमी पर

उत्पत्ति 3:17-19



उत्पत्ति 3:19
"अपने माथे के पसीने की रोटी खाया करेगा, और **अन्त में मिट्टी में मिल जाएगा**, क्योंकि उसी में से तू बनाया गया है;
तू मिट्टी तो है, और **मिट्टी ही में फिर मिल जाएगा।"**

मृत्यु
पाप की मजदूरी

मृत्यु क्या है?

यह है अलग हो जाना

आध्यात्मिक मौत

इसका अर्थ है ईश्वर से अलगाव



जिस क्षण आदम और हव्वा ने आज्ञा का उल्लंघन किया, उनकी आत्मा परमेश्वर से अलग हो गई।

मृत्यु का अर्थ है परमेश्वर से अलगाव

शेष मानवता - इस संसार में जन्म लेने वाला प्रत्येक मानव जीवन आध्यात्मिक रूप से मृत है, परमेश्वर से अलग है।

"जो अपराधों और पापों में मरे हुए थे।"
- इफिसियों 2:1

शारीरिक मौत

इसका मतलब है कि प्राण और आत्मा शरीर से अलग हो गई है



जब कोई व्यक्ति शारीरिक रूप से मृत हो जाता है, तो उसकी आत्मा और प्राण का क्या होता है?

"... तब मिट्टी ज्यों की त्यों मिट्टी में मिल जाएगी, और आत्मा उस परमेश्वर के पास लौट जाएगी जिसने उसे दिया।"
- सभोपदेशक 12:7

आदम की शारीरिक मृत्यु उस दिन नहीं हुई जिस दिन उसने भले और बुरे के ज्ञान का फल खाया था, बल्कि उसके 900 से अधिक वर्षों बाद हुई।

हालाँकि, अवज्ञा के तुरंत बाद, वह आध्यात्मिक रूप से मर गया (परमेश्वर से अलग हो गया)। वह परमेश्वर से दूर भाग गया और यहाँ तक कि अपने शरीर को ढकने के लिए अंजीर के पत्ते भी सिल दिए।

अंतहीन मौत



इसका अर्थ है हमेशा के लिए ईश्वर से अलग हो जाना

महान श्वेत सिंहासन के न्याय में - **यीशु मसीह न्यायाधीश हैं-**
वह एक व्यक्ति पर उसके पापों के लिए निर्णय सुनाते हैं क्योंकि उसने यीशु मसीह के माध्यम से परमेश्वर द्वारा दिए गए उद्धार के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था।

और जो लोग उद्धार को अस्वीकार करते हैं, उन्हें "आग की झील में डाल दिया जाएगा।"
- प्रकाशितवाक्य 20:10, 15

जहाँ "वे दिन-रात युगानुयुग पीड़ा में रहेंगे।"
- प्रकाशितवाक्य 20:10, 15

मुक्तिदाता ईश्वर
मुक्ति का सिद्धांत
(शाश्वत सत्य)

केवल परमेश्वर ही मनुष्य को बचाने की पहल कर सकता है

परमेश्वर पाप की मज़दूरी एक ऐसे बलिदान के माध्यम से चुकाता है जो पापियों (आदम और हव्वा) **के स्थान** पर **मर गया।**

परमेश्वर ने ऐसा उन्हें छुड़ाने, उन्हें बचाने, परमेश्वर के साथ उनके रिश्ते को पुनर्स्थापित करने और **उन्हें अनन्त मृत्यु से बचाने के लिए किया,** जहाँ **उन्हें हमेशा-हमेशा के लिए यातनाएँ दी जाएँगी।**

"और यहोवा परमेश्वर ने आदम और उसकी पत्नी के लिए चमड़े के अंगरखे बनाए,
और उन्हें पहना दिए।" - उत्पत्ति 3:21

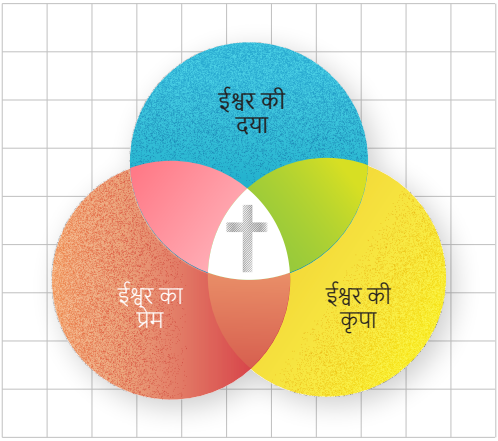
बलिदान की शुरुआत प्रतिस्थापन के माध्यम से शुरू होता है



याद रखें, प**रमेश्वर ने उनके अंजीर के पत्तों को अस्वीकार कर दिया था**, उ**नके वस्त्र को परमेश्वर को स्वीकार्य बनाने के लिए**, वस्त्र के लिए खाल प्राप्त करने हेतु जानवरों को **मारना पड़ा था**।

परमेश्वर मनुष्य पर दया, अनुग्रह और प्रेम दिखाता है

और **व्यवस्था (परमेश्वर की व्यवस्था)** के अनुसार लगभग सभी वस्तुएँ लहू के द्वारा शुद्ध की जाती हैं, और **बिना लहू बहाए** क्षमा **(पापों की क्षमा)** नहीं होती। इब्रानियों 9:22



क्यों?

क्योंकि **परमेश्वर न्यायी** है, वह **बलिदान के बिना** पाप को दण्डित किए बिना नहीं छोड़ेगा।

"शरीर का जीवन लहू में है" - लहू जीवन का प्रतीक है - (लैव्यव्यवस्था 17:11)



बलि का रक्त नर मेमने का होना चाहिए,
बिना किसी दोष के

क्यों?

परमेश्वर के न्याय से बचने के लिए, जो पवित्र और धर्मी है, पाप को नज़रअंदाज़ न करते हुए **अपना न्याय** करेगा।

परमेश्वर की असीम पवित्रता के मानक के अनुरूप एक ऐसे **प्रतिस्थापन की मृत्यु आवश्यक थी** जो **निर्दोष, शुद्ध और निष्कलंक** हो।

परमेश्वर द्वारा पापी को क्षमा करने, मेल-मिलाप कराने और संबंध को पुनः स्थापित करने के लिए।

इसकी कीमत एक और जीवन देकर चुकानी पड़ी

डॉ. जे. वर्नन मैक्गी ने कहा,

“ जब आदम और हव्वा अदन की वाटिका से निकले, तो उन्होंने रक्त-बलि को देखा। उन्होंने ठीक वही देखा जो मूसा ने **परमपवित्र स्थान** में **दया-आसन** पर रखा था: दो देवदूत उस रक्त को देख रहे थे जो वहाँ था - और यही परमेश्वर तक पहुँचने का मार्ग था। ”

ईश्वर तक वापस जाने का रास्ता **रक्त बलिदान** के माध्यम से ही होकर गुजरता है।



पढ़ें: **उत्पत्ति 3:22-24**

मनुष्य को **जीवन के वृक्ष** के द्वारा नहीं बचाया जा सकता।

परन्तु परमेश्वर के पास आने के लिए मनुष्य को रक्त बलिदान के द्वारा बचाया जाना आवश्यक है।

ईश्वर का वादा, प्रावधान और मानवजाति के लिए आशा

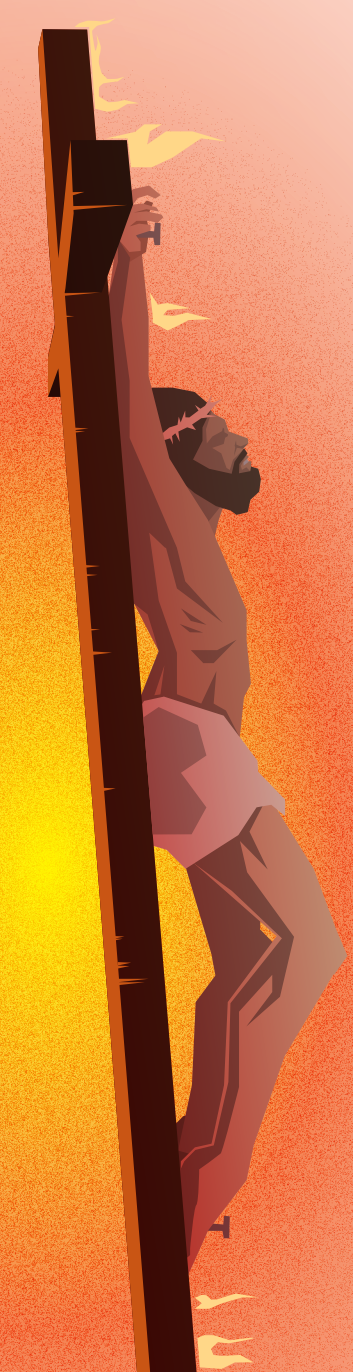
- मसीह परमेश्वर का मेम्ना

“जैसे उसने हमें जगत की उत्पत्ति से पहले ही
उसमें चुन लिया था, कि हम प्रेम में
उसके सामने पवित्र और
निष्कलंक हों,”

1 पतरस 1:20

"देखो! परमेश्वर का मेम्ना जो
जगत का पाप
उठा ले जाता है!"

यूहन्ना 1:29



मेमने का बलिदान क्रूस की ओर संकेत करता है, जहाँ **यीशु मसीह हमें परमेश्वर के दिव्य क्रोध से बचाने के लिए अंतिम बलिदान है।**

देखो,
यह परमेश्वर का
मेम्ना है,
जो जगत के पाप
हरता है।

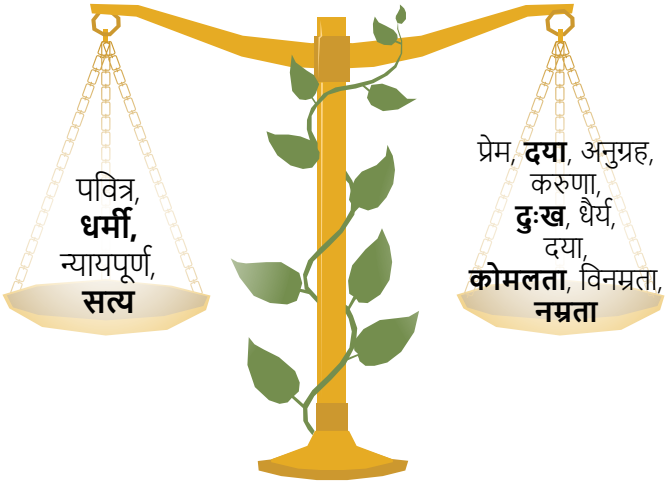
-यूहन्ना 1:29

चिंतन करें और लागू करें

ईश्वर के गुण

ईश्वर कैसा है?

उसका हृदय कैसा है?



1. विचार

सोचिए कि **आदम और हव्वा को बचाने के लिए परमेश्वर ने क्या किया पाप से समझौता किए बिना, अपने दिव्य न्याय से -**
फिर भी उसने छुटकारे के माध्यम से दिव्य प्रेम दिखाया।

अपने **प्रति परमेश्वर के हृदय** के बारे में आपने जो कुछ जाना, उसे लिखिए।

फिर, प्रभु के इस कार्य के लिए उनका धन्यवाद कीजिए।

2. विचार

यीशु मसीह - परमेश्वर का वादा और हमारे उद्धार की पूर्ति

इस संसार में सभी का उद्धार **केवल परमेश्वर ही** कर सकता है।

इस प्रकार, **उद्धारकर्ता परमेश्वर ही होना चाहिए,** जिसे मनुष्य बनना होगा,
ताकि वह परमेश्वर और मनुष्य के बीच एक आदर्श मध्यस्थ बन सके।

परमेश्वर की असीम पवित्रता और उसकी सभी
आवश्यकताओं को समझने और पूरा करने के लिए, ताकि मनुष्य के बीच सामंजस्य स्थापित हो और उसकी गहनतम आवश्यकता पूरी हो सके।

अपने पुत्र को भेजने का परमेश्वर का वादा ही एकमात्र तरीका है जिससे वह हमें बचा सकता है।

लागू करें

आप क्या मानते हैं कि परमेश्वर ने मसीह में आपके लिए क्या किया है, ताकि आप उद्धार पा सकें और परमेश्वर के परिवार का हिस्सा बन सकें?

(यूहन्ना 1:29; यूहन्ना 3:15-17; 2 कुरिं. 5:21; प्रेरितों के काम 2:37, रोमियों 5:14,15; इब्रानियों 2:14-15; 1 तीमु. 1:15; 1 यूहन्ना 3:5-8)

परमेश्वर के साथ हमारा मेल-मिलाप कराने के लिए **मसीह** ने जो भूमिकाएँ निभाईं और निभा रहे हैं, उनकी सूची बनाएँ।

(1. कुरिं. 1:30; 1. कुरिं. 15:20; 1 तीमु. 2:5-6; इब्रा. 6:20; 1. कुरिं. 1:18, रोमियों 3:19, 1. यूहन्ना 2:2; 1 पतरस 1:18-19; 1. कुरिं. 6:20; 2 कुरिं. 5:18-21; रोमियों 5:10,11; इफिसियों 2:16; कुलुस्सियों 1:20-22; मत्ती 19:28; तीतुस 3:5; 1 कुरिं. 1:30; 1 थिस्सलुनीकियों 4:3,4; 2 थिस्सलुनीकियों 2:13 और 1 पतरस 1:2)

3. **वचिार**



डॉ. जे. वर्नन मैक्गी कहते हैं,

“ उद्धार तभी मिलता है जब हम और आप परमेश्वर के समक्ष पापी के रूप में अपना उचित स्थान ग्रहण करते हैं। ”

क्या आपने परमेश्वर के **उद्धार** के उपहार को स्वीकार किया है? यदि नहीं, तो आप इसे इस प्रकार स्वीकार कर सकते हैं।

"... मनुष्य के पुत्र को ऊपर उठाया जाना आवश्यक है, ताकि जो कोई उस (यीशु मसीह) पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।" 17 क्योंकि परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिये नहीं भेजा कि जगत पर दण्ड की आज्ञा दे, परन्तु इसलिये कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाए।" यूहन्ना 3:14ख-17

"...यदि तू अपने मुँह से **यीशु** को प्रभु जानकर **अंगीकार** करे, और **अपने मन से विश्वास करे**, कि **परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया है**, तो तू निश्चय **उद्धार** पाएगा। 10 **क्योंकि धार्मिकता के लिये मन से विश्वास किया जाता है,** और **उद्धार के लिये मुँह से अंगीकार किया जाता है।**" रोमियों 10:9-10।

4. सुसज्जित करें और साझा करें



डॉ. जे. वर्नन मैक्गी की अंजीर के पत्तों पर शिक्षा

“ अंजीर के पत्तों से और इस तथ्य से कि परमेश्वर ने उन्हें चमड़े से ढका था, हम चार महान शिक्षाएं पाते हैं। ”

- **परमेश्वर के पास जाने के लिए मनुष्य के पास पर्याप्त आवरण होना चाहिए। आप अपने अच्छे कर्मों के आधार पर परमेश्वर के पास नहीं आ सकते। आपको वैसे ही आना होगा जैसे आप हैं - एक पापी।**
- **अंजीर के पत्ते अस्वीकार्य हैं; वे घर में बने होते हैं। परमेश्वर घर में बना वस्त्र नहीं लेते।**
- **परमेश्वर को आवरण प्रदान करना होगा।**
- **आवरण केवल प्रभु यीशु की मृत्यु के द्वारा ही प्राप्त होता है।”**

आप उत्पत्ति 3:14-24 के अंश से सीखी गई बातों का उपयोग उन लोगों को सुसमाचार समझाने के लिए कैसे करेंगे जो उद्धार नहीं पाए हैं?



सीख

अपने जीवन में '**ईश्वर की बुद्धि**' को एकीकृत करना।

मैक्गी का उद्धरण



“इस प्रलोभन में शैतान आत्मा और परमेश्वर के बीच आना चाहता था। दूसरे शब्दों में, वह मनुष्य को परमेश्वर से दूर करना चाहता था। मनुष्य को अपने वश में करना और स्वयं को मनुष्य का परमेश्वर बनाना चाहता था। आप जानते हैं, उस समय मनुष्य को शारीरिक प्रलोभन आकर्षित नहीं करते थे। उसे चोरी करने, झूठ बोलने या लालच करने का प्रलोभन नहीं था। उसे केवल ईश्वर पर संदेह करने का प्रलोभन था।”

THRU the BIBLE

हमारे संसाधनों तक पहुँचें

टीटीबी ग्लोबल वेबसाइट तक पहुंचने के लिए, यहां जाएं

www.ttb.org

टीटीबी ग्लोबल ऐप डाउनलोड करने के लिए **क्यूआर कोड** स्कैन करें।
ऐप के ज़रिए आप हमारे ऑडियो स्टडी प्रोग्राम को आसानी से एक्सेस कर सकते हैं।

App Store
IOS उपयोगकर्ताओं के लिए

Google Play Store
एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं के लिए